माघ शुक्ल पक्ष - 8, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09 , अंक - 203 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

26 जनवरी 2026 सोमवार

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

न्यूज विंडो

उत्तराखंड में गैर हिंदुओं पर बढ़ा बैन, प्रवेश पर रोक

देहरादून। गंगोत्री धाम में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। श्री गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष सुरेश सेमवाल ने बताया कि सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया है। इसके साथ ही श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की अगली बोर्ड बैठक में बद्रीनाथ, केदारनाथ में भी गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाने का प्रस्ताव लाया जाएगा। अब यह मांग उत्तराखंड के अन्य धार्मिक स्थलों तक भी पहुंच गई है।

फुटबॉल मैच में फायरिंग 11 की मौत, 12 घायल

मेक्सिको। गुआनाहुआतो राज्य में फुटबॉल मैच के दौरान सशस्त्र बलों ने हमला कर दिया, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हैं। यह घटना लोमा दे फ्लोरेस इलाके में हुई, जहां लोग फुटबॉल मैच के दौरान इकट्ठा थे। हमलावरों ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे मौके पर ही 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति अस्पताल में इलाज के दौरान मर गया। मेयर ने बताया कि घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है।

समुद्र में डूबी 350 लोगों को ले जा रही फेरी, 7 की मौत

फिलीपींस। दक्षिणी फिलीपींस में दर्दनाक हादसा हुआ है। हादसा उस वक्त हुआ जब एक फेरी समुद्र में डूब गई। अधिकारियों के अनुसार इस फेरी पर 350 से अधिक लोग सवार थे। बचाव दल ने कम से कम 215 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला है, जबकि अब तक 7 शव बरामद किए जा चुके हैं। कुछ रिपोर्टों में मृतकों की संख्या अधिक बताई जा रही है, लेकिन शुरुआती आंकड़ों के आधार पर स्थिति अभी भी स्पष्ट नहीं है। हादसे के बाद और खोज अभियान जारी है।

10 हजार किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट पकड़ा

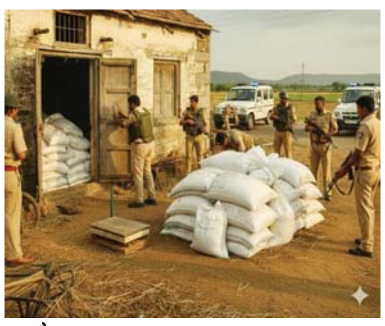

नागौर। गणतंत्र दिवस से पहले राजस्थान में नागौर जिले के थांवला थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक फार्म हाउस से करीब 10 हजार किलोग्राम अवैध विस्फोटक सामग्री अमोनियम नाइट्रेट जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुलेमान खान के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सुलेमान के खिलाफ इससे पहले भी अवैध विस्फोटक सामग्री के तीन मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। पुलिस मामले में जांच एवं पूछताछ कर रही है।

अमेरिका के बैंगोर एयरपोर्ट पर क्रैश हुआ प्राइवेट जेट

न्यूयार्क। अमेरिका में भीषण बर्फीले तूफान और खराब मौसम के बीच एक बड़ा विमान हादसा सामने आया है। रविवार शाम करीब 7:45 बजे बैंगोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक प्राइवेट जेट बॉम्बार्डियर चैलेंजर 600 उड़ान भरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक हादसे के वक्त विमान में 8 लोग सवार थे। फिलहाल सवार लोगों की स्थिति के बारे में आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

लव मैरिज वाले परिवारों के बहिष्कार का फैसला

रतलाम। रतलाम के गांव पंचेवा में पिछले 6 महीनों में 8 लड़के-लड़कियों ने घर से भागकर शादी कर ली। इससे नाराज पंचायत ने लव मैरिज करने वाले परिवारों के बहिष्कार का फैसला सुनाया है। इसमें कहा है- जो लड़का-लड़की भाग कर शादी करेंगे उनके घर न तो दूध जाएगा और न ही कोई सामान। पंडित और नाई से लेकर कोई उस परिवार के कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लेगा। खबर मिलने पर प्रशासन ने एक्शन लेने की बात कही है।

अवकाश की सूचना

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में दोपहर मेट्रो कार्यालय में दिनांक 27 जनवरी को अवकाश रहेगा। अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा।

– संपादक

कर्तव्य पथ पर 77वां गणतंत्र दिवस समारोह

ऑपरेशन सिंदूर की इंटीग्रेटेड कमांड ने दिखाई ताकत

- सुखोई-राफेल समेत 29 लड़ाकू विमान शामिल, MI-17 हेलीकॉप्टर्स ने बरसाए फूल
- ग्रुप कैप्टन-एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला को राष्ट्रपति ने दिया अशोक चक्र

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत आज अपना 77वां गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह और गौरव के साथ मना रहा है। कर्तव्य पथ परेड पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र ध्वज फहराया। इसके बाद 21 तोपों की सलामी दी गई। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अशोक चक्र से सम्मानित किया गया।

इस वर्ष गणतंत्र दिवस की थीम 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने पर आधारित रही। समारोह में यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। परेड में भारत की सांस्कृतिक विविधता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सैन्य शक्ति का भव्य प्रदर्शन देखने को मिला। परेड के दौरान ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलों सहित स्वदेशी रक्षा क्षमताओं की झलक भी दिखाई दी। 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान लागू हुआ था, जिसने भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य का स्वरूप दिया।

शहीदों को दी श्रद्धांजलि

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचकर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उनके साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी थे। इस दौरान उन्होंने समर स्मारक के डिजिटल पुस्तिका में अपने विचार दर्ज किए।

पहली बार ईयू को मिला मौका

गणतंत्र दिवस के इतिहास में यह पहला अवसर है जब यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व को चीफ गेस्ट के रूप में बुलाया गया है। इससे पहले अलग-अलग यूरोपीय देशों, जैसे फ्रांस या ब्रिटेन, के राष्ट्राध्यक्ष आते रहे हैं, लेकिन पूरे ईयू ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करने वाले दो सबसे शक्तिशाली नेताओं का एक साथ आना भारत और यूरोप के बीच गहरे होते रणनीतिक रिश्तों की पुष्टि करता है। उर्सुला वॉन डेर लेयेन यूरोपीय आयोग की पहली महिला अध्यक्ष हैं। पूर्व में जर्मनी की रक्षा मंत्री रह चुकीं उर्सुला का नाम दुनिया की सबसे शक्तिशाली महिलाओं में शुमार है। उनके नेतृत्व में यूरोपियन यूनियन ने रूस-यूक्रेन युद्ध, जलवायु परिवर्तन और डिजिटल रेगुलेशन जैसे बड़े मुद्दों पर कड़े फैसले लिए हैं।

भोपाल में राज्यपाल ने ली सलामी

भोपाल। गणतंत्र दिवस पर भोपाल में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। लाल परेड मैदान राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मुख्य अतिथि के रूप में झंडा फहराया और परेड की सलामी ली। कार्यक्रम के दौरान पुलिस बैंड ने राष्ट्रगान की प्रस्तुति दी गई। हर्ष फायर के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। समारोह में सशस्त्र बलों और पुलिस की संयुक्त परेड का आयोजन हुआ। जिसमें विभिन्न बलों की कुल 23 टुकड़ियां शामिल हुई। प्रदेश सरकार के 22 विभागों की झांकियां निकाली गई। इन झांकियों से विभागों की योजनाओं, उपलब्धियों और जनकल्याणकारी कामों को दिखाया गया। झांकियों में उद्यानिकी, आयुष, उच्च शिक्षा, कृषि, गृह, जनजातीय कार्य, नगरीय विकास, पर्यटन, महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, वन, स्कूल शिक्षा सहित अन्य विभाग शामिल रहे।

मेट्रोपॉलिटन सिटी हमारी प्राथमिकता : मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने गृह नगर उज्जैन के कार्तिक मेला ग्राउंड पर तिरंगा फहराया। इसके बाद परेड की सलामी ली। यह पहला अवसर है, जब किसी मुख्यमंत्री ने शिप्रा तट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस दौरान उन्होंने कहा- इंदौर, उज्जैन और भोपाल के आसपास के क्षेत्रों को जोड़कर मेट्रोपॉलिटन सिटी विकसित की जा रही है। सरकार ने डेढ़ लाख से अधिक लोगों को विधिक सहायता प्रदान की है। सांदीपनि आश्रम को भव्य रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही स्कूलों की ड्रॉप-आउट दर को शून्य प्रतिशत तक लाने का प्रयास किया जा रहा है।का दावा किया गया है। दरअसल, दो साल बाद इसी क्षेत्र में सिंहस्थ होगा। इसका मुख्य आयोजन कार्तिक मेला ग्राउंड के पास दत्त अखाड़ा और रामघाट पर होगा।

मद्रास हाईकोर्ट का फैसला पलटा

मैटरनिटी लीव देना कोई एहसान नहीं है : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने फिर एक बार कहा है कि मैटरनिटी लीव देना कोई एहसान नहीं, बल्कि एक कानूनी अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के एक फैसले को बदल दिया है, जिसमें हाई कोर्ट ने एक सरकारी स्कूल टीचर को राज्य की दो बच्चों वाली नीति के तहत मैटरनिटी लीव देने से मना कर दिया था। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और जस्टिस अभय एस. ओका की बेंच ने को मैटरनिटी लीव पर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के एक फैसले को बदलते हुए कहा, 'मैटरनिटी लीव किसी अधिकारी का दिया गया कोई एहसान या मनमर्जी का फायदा नहीं है, बल्कि यह एक महिला के प्रजनन अधिकारों से जुड़ा कानूनी अधिकार है।'सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मैटरनिटी लीव, मैटरनिटी बेनिफिट्स का एक जरूरी हिस्सा है और यह महिलाओं के स्वास्थ्य, प्राइवेसी, समानता, गैर-भेदभाव और गरिमा के अधिकार से जुड़ा हुआ है। कोर्ट ने यह भी बताया कि ये सभी अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सुरक्षित हैं। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां के लिखे गए इस फैसले पर जस्टिस अभय एस. ओका ने सहमति जताई। सुप्रीम कोर्ट ने सर्विस नियमों, संवैधानिक गारंटी और मैटरनिटी वेलफेयर कानूनों के बीच के संबंध पर बहुत जरूरी स्पष्टता की बात की। कोर्ट ने कहा कि दो बच्चों वाली नीति जैसी प्रशासनिक नीतियां एक महिला के मैटरनिटी बेनिफिट्स के अधिकार को खत्म नहीं कर सकतीं।

भारत- यूरोप के बीच एफटीए पर कल हस्ताक्षर के आसार

ट्रंप टैरिफ से हुए नुकसान की होगी भरपाई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और यूरोपीय यूनियन कल मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। दोनों पक्षों के नेताओं ने इसे 'मदर ऑफ आल डील' का नाम दिया है, क्योंकि इस एक डील से ही भारत को यूरोप के 27 देशों में बिना शुल्क के कारोबार करने की अनुमति मिल जाएगी। यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष भारत में गणतंत्र दिवस के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहीं। इस दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड को लेकर बातचीत भी हुई है और अब इस पर अंतिम मुहर लगने का इंतजार है। भारत और यूरोप के बीच में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होता है तो भारतीय निर्यात का ट्रेड सरप्लस करीब 50 अरब डॉलर बढ़ जाएगा। एमके ग्लोबल ने अपनी शोध में बताया है कि यह डील पूरी हुई तो वित्त वर्ष 2031 तक भारत का यूरोप के साथ ट्रेड सरप्लस 50 अरब डॉलर का हो जाएगा। वित्तवर्ष 2025 में भारत के कुल निर्यात में यूरोप की हिस्सेदारी 17.3 थी, जो इस डील के बाद 2031 तक 22 से 23 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। यूरोप के साथ फ्री ट्रेड डील पूरी होने से भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और केमिकल उद्योग को ज्यादा लाभ मिलेगा। चालू वित्तवर्ष में भारत के कुल निर्यात में यूरोप की हिस्सेदारी मामूली रूप से गिरकर 16.8 फीसदी पर आ गई है। यह अलग बात है कि इस डील से भारत के साथ यूरोप का व्यापार घाटा और बढ़ जाएगा। बावजूद इसके यूरोप ने रूस के ऊपर अपनी ऊर्जा निर्भरता कम करने और चीन की सप्लाई का विकल्प खोजने की तैयारी कर ली है। यूरोप में अभी से भारतीय रिफाइनरी के तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और केमिकल की खरीद बढ़ गई है। एफटीए के बाद इसमें और बढ़ोतरी हो जाएगी।

मैहर की उद्रेका सिंह बनीं भारत की सबसे तेज महिला आइस स्केटर

मैहर। सतना जिले के मैहर की उभरती हुई खिलाड़ी उद्रेका सिंह ने खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए आइस स्केटिंग में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। लेह-लद्दाख की बर्फीली वादियों में 20 से 26 जनवरी तक आयोजित इन प्रतिष्ठित खेलों में उद्रेका सिंह ने वूमेन लॉन्ग ट्रैक 500 मीटर आइस स्केटिंग स्पर्धा में 53.94 सेकंड का शानदार समय दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वे भारत की अब तक की सबसे तेज महिला आइस स्केटर बन गई हैं।

पुलिस कर्मियों से भरी बस को ट्रक ने मारी टक्कर, कई घायल

सतना। उचेहरा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामवन पथ गमन मार्ग पर आज एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रक ने पुलिसकर्मियों से भरी बस को टक्कर मार दी। हादसे में बस चालक, कंडक्टर समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। बस में सतना जिले की पुलिस टीम सवार थी, जिसे धार जिले में कानून-व्यवस्था की ड्यूटी पर भेजा गया था। ड्यूटी पूरी कर पुलिस टीम बस से वापस सतना लौट रही थी। इसी दौरान रामवन पथ गमन मार्ग पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने रॉन्ग साइड में आकर बस को टक्कर मार दी। बस में लगभग 50 पुलिसकर्मी सवार थे।

मेट्रो एंकर | हार्ट ट्रांसप्लांट के बाद 25 साल तक जीवित रहने वाली देश की पहली सर्वाइवर

दान में मिले दिल के साथ प्रीति ने मनाई सिल्वर जुबली

नईदिल्ली, एजेंसी

साल 2001 में हार्ट ट्रांसप्लांट बहुत बड़ी चीज हुआ करती थी। ऐसे मामले कम ही सुनने को मिलते थे और इसका सक्सेस रेट भी काफी कम था। डॉक्टरों के पास भी गाइडेंस की कमी थी। ये ऐसा दौर था, जब कोई ट्रांसप्लांट कराने के बारे में सोच रहा होता तो दूसरे लोग उसे यह कहकर हतोत्साहित कर देते कि ट्रांसप्लांट लंबे समय तक नहीं चलते। कुछ हद तक यह बात सही भी है, क्योंकि इस सर्जरी के बाद 5 साल तक जीवित रहने की संभावना करीब 85 प्रतिशत होती है। इस बात को दिल्ली में रहने वाली प्रीति उन्हाले ने गलत साबित कर दिया है। प्रीति को साल 2001 में दिल 'दान' में मिला था और उनके 'दान में

मिले दिल' ने बीती 23 जनवरी को अपने 25 साल पूरे कर लिये। मेडिकल साइंस के लिए यह किसी चमत्कार से कम नहीं है, क्योंकि आज 51 की साल प्रीति हार्ट ट्रांसप्लांट के साथ सबसे लंबे तक जीवित रहने वाली भारत की इकलौती सर्वाइवर बन गई हैं।

मुंबई में भी करा चुकी थीं इलाज

प्रीति मूल रूप से मध्य प्रदेश की रहने वाली हैं। साल 2000 में एमपी और मुंबई में इलाज के सभी विकल्प आजमाने के बाद वह दिल्ली एम्स आईं। उन्हें डाइलटेड कार्डियोमायोपैथी नाम की बीमारी थी। प्रीति को बताया गया कि उनके पास हार्ट ट्रांसप्लांट ही एकमात्र विकल्प है। प्रीति बताती हैं कि जब पहली बार उन्होंने ये शब्द सुने कि 'आप ठीक हो जाएंगी' तो उन्होंने इलाज के लिए दिल्ली में रुकने का फैसला किया और तब से वो राजधानी में ही रह रही हैं। इलाज करने वाले डॉ. तलवार उस दौर को याद करते हुए बताते हैं कि प्रीति बहुत ही नाजुक हालत में आई थीं। उनकी शादी सिर्फ ढाई साल पहले हुई थी। एक ब्रेन-डेड टीनएजर डोनर का दिल प्रीति को लगाया गया और सर्जरी की सफलता को 25 साल हो चुके हैं।

डॉक्टरों-नर्सों को क्रेडिट

इतने सालों से दवाइयां खाते-खाते उन्हें किडनी की समस्या, स्टेरॉयड से हड्डियों को नुकसान, वैस्कुलर नेक्रोसिस और चेहरे का लकवा जैसी बीमारियां हुईं। प्रीति का कहना है कि यह उनकी जिंदगी सिर्फ उनकी नहीं है। उनकी जिंदगी का क्रेडिट डॉक्टरों, नर्सों, टेक्नीशियन और यहां तक कि सफाई कर्मचारियों की भी है। प्रीति उन्हाले भारत के अलग-अलग शहरों में हार्ट ट्रांसप्लांट के मरीजों को काउंसलिंग दे चुकी हैं।

गणतंत्र दिवस पर सिरोंज विशेष

गणतंत्र दिवस की वर्षगांठ पर ध्वजारोहण

भोपाल में कोहरे-ठंड के बीच लहराया तिरंगा

भोपाल। कोहरे और ठंड के बीच भोपाल में गणतंत्र दिवस का जश्न मनाया जा रहा है। कलेक्ट्रेट में सबसे पहले झंडावंदन हुआ। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने झंडावंदन किया। कमिश्नर ऑफिस में संभागायुक्त संजीव सिंह ने ध्वजारोहण किया। माता मंदिर स्थित नगर निगम ऑफिस में अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी और आईएसबीटी में महापौर मालती राय ने झंडावंदन किया।

गणतंत्र दिवस के मौके पर सोमवार को भोपाल में कई जगहों पर ध्वजारोहण किया जा रहा है। सरकारी कार्यालयों सहित पार्क और कॉलोनियों सहित कई सार्वजनिक स्थानों पर झंडावंदन कार्यक्रम हो रहे हैं। वहीं, राज्य स्तरीय कार्यक्रम लाल परेड ग्राउंड पर चल रहा है। जिला पंचायत में अध्यक्ष रामकुंवर गुर्जर ने तिरंगा फहराएगी।

कर्मचारियों का सम्मान- नगर निगम के आईएसबीटी स्थित ऑफिस में महापौर राय ने झंडावंदन किया। इसके बाद लोगों को मिठाई वितरित की गई। वहीं, निगम के कर्मचारियों का सम्मान भी किया गया। माता मंदिर स्थित ऑफिस में अध्यक्ष सूर्यवंशी ने ध्वजारोहण किया।

कार्यालय नगरपालिका परिषद, इटारसी

26 जनवरी 2026, गणतंत्र दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

गणतंत्र दिवस के अवसर पर हम सब मिलकर नगर के विकास में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान कर इटारसी को सुंदर, स्वच्छ और विकसित नगर बनाऐं

• नागरिकों से जनहित में विनम्र अपील •

» शहर में पॉलीथिन प्रतिबंधित है कृपया पॉलीथिन का इस्तेमाल न करें।
» घर का कचरा बाहर न फेंके। कचरा एकत्रित कर कचरा, नगरपालिका के कचरा वाहन में ही डालें।
» भवन कर, जल कर एवं अन्य करों करों का भुगतान समय पर कर शहर विकास में अपना योगदान दीजिये। न.पा. के सभी करों का ऑनलाइन भुगतान में करें।
» नलों में टोंटी लगावें, जल को व्यर्थ न बहने दें।
» पर्यावरण संतुलन हेतु वृक्षों को न काटें और न ही काटने दें एवं वृक्षारोपण करें। न ही कटने दें एवं वृक्षारोपण करें।
» विवाह तथा जन्म एवं मृत्यु का पंजीयन अवश्य ही करायें।
» निर्माण कार्य स्वीकृत नक्शे के अनुसार ही करें।
» घरों में वर्षा जल संचयन किया जाए। वॉटर हार्वेस्टिंग अपनाएं।

श्री पंकज चौरे
अध्यक्ष

श्रीमति रितु मेहरा
मुख्य नगरपालिका अधिकारी

उपाध्यक्ष, समस्त सभापति एवं पार्षदगण, समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण,
नगर पालिका परिषद इटारसी जिला- नर्मदापुरम (म.प्र.)

मप्र की चार विभूतियों को मिलेगा पद्मश्री सम्मान सीएम ने दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पद्म पुरस्कारों से सम्मानित होने वाली सभी विभूतियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इनमें मध्यप्रदेश की 4 विभूतियां शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पद्श्री से सम्मानित होने वाले श्री भगवान दास रैकवार खेल, श्री कैलाश चंद्र पंत साहित्य एवं शिक्षा, श्री मोहन नागर सामाजिक कार्य और श्री नारायण व्यास पुरातत्व को बधाई देते हुए कहा कि इन विभूतियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में सर्वोत्कृष्ट कार्य कर राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया। साथ ही अपने अद्वितीय योगदान से भावी पीढ़ियों को राष्ट्र सेवा की प्रेरणा दी है। मुख्यमंत्री ने पद्मश्री प्राप्त विभूतियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा रविवार को वर्ष 2026 के लिए कुल 131 पद्म पुरस्कारों की घोषणा की गई। इस सूची में 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कार प्राप्तकर्ता शामिल हैं। पद्म पुरस्कार पाने वालों में 19 महिलाएं हैं, जबकि इस सूची में विदेशी नागरिकों, अनिवासी भारतीयों सहित अन्य श्रेणियों में 6 विभूतियां भी शामिल हैं। दिवंगत फिल्म अभिनेता श्री धर्मेन्द्र सिंह देओल सहित 16 विभूतियों को मरणोपरांत पद्म पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की गई है। सम्मानित विभूतियों को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।

जाटखेड़ी बस्ती में हिन्दू सम्मेलन और समरसता भोज का आयोजन

भोपाल। संघ शताब्दी वर्ष में 25 जनवरी 2026 को जाट खेड़ी बस्ती भोपाल का हिंदू सम्मेलन संपन्न हुआ जिसमें मातृशक्ति की तरफ से श्रीमती सीमा भदोरिया संत समाज की तरफ से धनेश शास्त्री जी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं मुख्य वक्ता के रूप में नारायण नगर प्रचारक जितेंद्र पटेल का उद्बोधन हिंदू समाज के सम्मेलन में प्राप्त हुआ। पांच परिवर्तन हिंदुत्व एवं संघ यात्रा के 100 वर्षों पर प्रकाश डाला गया साथ ही समाज की संगठन शक्ति एवं सज्जन शक्ति को एकजुट करने की बात कही गई। हिंदू सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज में एकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण को बढ़ावा देना है। यह आयोजन जाति-पाति के भेदभाव को मिटाकर साथ ही अपनी परंपराओं, मातृशक्ति के सम्मान और राष्ट्र की उन्नति में योगदान के लिए युवाओं को प्रेरित करता है।

राज्यपाल की ओर से स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का हुआ सम्मान

भोपाल । राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को उनके घर पर सम्मानित कराया। राज्यपाल की ओर से लोकभवन के अधिकारियों ने भोपाल निवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के घर पहुँच कर उनका सम्मान किया। राज्यपाल पटेल की ओर से भोपाल निवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोहम्मद जमीर, सावित्री देवी वर्मा, देवीशरण, पार्वती देवी, और नारायणी देवी को सम्मान स्वरूप शॉल, श्रीफल, मिठाई, और उपहार भेंट किए गए।

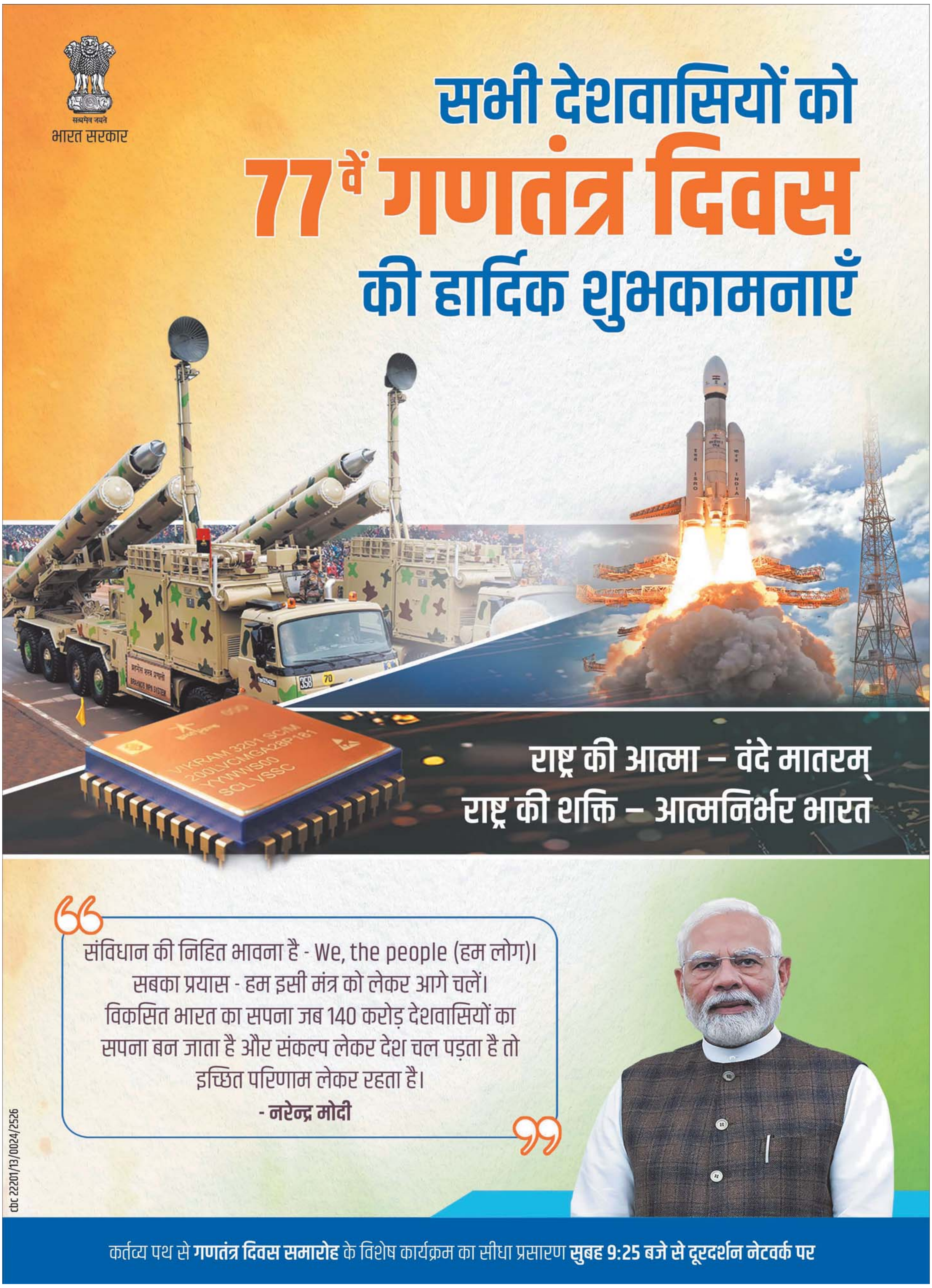

आत्ममंथन और संकल्प का दिन

गणतंत्र दिवस हमें केवल अतीत पर गर्व करने के लिए नहीं, बल्कि वर्तमान की समीक्षा और भविष्य की दिशा तय करने के लिए प्रेरित करता है। स्वतंत्रता दिवस हो या गणतंत्र दिवस, यदि हम इन्हें केवल औपचारिक उत्सव बनाकर संतुष्ट हो जाएँ तो यह उन बलिदानों के साथ अन्याय होगा। ऐसे राष्ट्रीय पर्व मूल्यांकन दिवस होने चाहिए, जब हम खुले मस्तिष्क और शांत हृदय से यह सोचें कि हमने सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और नैतिक स्तर पर क्या हासिल किया और क्या करना अभी बाकी है।

कृषि क्षेत्र में उत्पादन बढ़ा है और तकनीक का प्रवेश हुआ है, फिर भी किसान की आय, कर्ज़ का दबाव, जलवायु परिवर्तन और बाज़ार की अनिश्चितता गंभीर बनी हुई हैं। ग्रामीण भारत का संघर्ष यह संकेत देता है कि आर्थिक विकास का मॉडल अभी भी असंतुलित है और कृषि सुधारों को अधिक व्यावहारिक दृष्टि की आवश्यकता है। शिक्षा का विस्तार और डिग्रियों की संख्या बढ़ने के बावजूद गुणवत्तापूर्ण रोज़गार का अभाव प्रश्न बनकर उभरता है। गरीबी उन्मूलन में भारत ने बड़ी सफलता हासिल की है और करोड़ों लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर आए हैं। फिर भी कुपोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा की असमान गुणवत्ता यह बताती है कि गरीबी केवल आय का नहीं, अवसरों का भी संकट है। जातिवाद और पहचान की राजनीति आज भी सामाजिक एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को चुनौती देती है, भले ही संवैधानिक और कानूनी प्रयास जारी हों।

इस मौके पर हमें स्वयं से यह भी पूछना चाहिए कि क्या हम संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के आदर्शों को अपने जीवन में उतार पाए हैं। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सम्मान, सामाजिक समरसता जैसे विषय केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं हैं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी हैं। गणतंत्र दिवस पर आम नागरिक यह संकल्प ले सकता है कि वह संविधान का सम्मान करेगा, दूसरों के अधिकारों का आदर करेगा और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाएगा। आज जब हम तिरंगे को सलामी देते हैं, तो हमें यह याद रखना चाहिए कि यह ध्वज केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं, बल्कि हमारे त्याग, संघर्ष और उम्मीदों का प्रतीक है। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के आदर्श केवल संविधान की प्रस्तावना तक सीमित न रहें, बल्कि हमारे व्यवहार का हिस्सा बनें। गणतंत्र दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम आत्ममंथन करें, संकल्प लें और कर्मपथ पर आगे बढ़ें।

गणतंत्र की जयकार के साथ संविधान और कर्तव्यों की चिंता जरूरी

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय सन्दर्भ में गणतंत्र का उल्लेख रामराज्य के रूप में होता है । आदर्श गणतंत्र जहाँ सबको आगे बढ़ने और स्वतन्ता अभिव्यक्ति का अधिकार हो । ऐसा गणतंत्र जिसमें पंच परमेश्वर माने जाते हों । गणतंत्र , जिसमें निर्धनतम व्यक्ति को भी न्याय मिलने का विश्वास हो । गणतंत्र जिसमें जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि शासन व्यवस्था चलकर सामाजिक - आर्थिक हितों की रक्षा करें । भारत के ग्राम पंचायतों की सक्रियता और सफलता की तुलना दुनिया का कोई लोकतान्त्रिक देश से नहीं हो सकती । पिछले वर्षों के दौरान भारतीय गणतंत्र फला फूला है । बड़े बड़े राजनीतिक तूफान झेलने के बावजूद इसकी जड़ें कमजोर नहीं हुई है । अब हम 77 वां गणतंत्र दिवस गौरव के साथ मना रहे हैं ।

लोकतंत्र में राजनीतिक शक्ति की धुरी है - राजनीतिक पार्टियां । हाल के वर्षों में निहित स्वार्थों ने कुछ पार्टियों की मीठी खीर में खटास ला दी है । इस स्थिति में पिछले दिनों भारतीय जनता पार्टी में नए अध्यक्ष का चुनाव बहुत सुनियोजित ढंग से संपन्न हुआ । कही कोई टकराव - कड़वाहट नहीं दिखाई दी । निश्चित रूप से अटल आडवाणी राजनाथ सिंह नितिन गडकरी और अमित शाह के मुकाबले नितिन नवीन कमजोर नेता कहे जा सकते हैं , लेकिन संगठन को शक्तिशाली बनाने के लिए शांत स्वाभाव वाले कुशाभाऊ ठाकरे या शंकर दयाल शर्मा जैसे नेताओं का अनुगमन भी लाभदायक हो सकता है । राजनीतिक समीक्षकों और पार्टीजनों ने यह बात जोरों से उठाई कि नितिन नवीन आगामी विधान सभाओं के चुनाव जितवाने में कितने सफल होंगे ? गणतंत्र में चुनाव का महत्व है , लेकिन चुनाव जीतना ही लक्ष्य नहीं हो सकता 7 1998 में भाजपा के अध्यक्ष बनने के बाद एक इंटरव्यू के दौरान कुशाभाऊ ठाकरे ने मुझसे कहा था कि राजनीती एक मिशन है ।राजनीतिक दल केवल चुनाव जीतने या पद पाने के लिए नहीं होनी चाहिए । संगठन को समाज और राष्ट्र के हितों के लिए मजबूत करना हमारा लक्ष्य रहना चाहिए । इस दृष्टि से नवीनजी की भी बड़ी चुनौती संगठन को सही ढंग से आगे प्रभावशाली बनाये रखने की होगी । खासकर सत्ता में आने पर राजनीतिक दलों कई के नेता कार्यकर्ता कुछ अहंकार और कुछ पदों और लाभ की जोड़ तोड़ में लग जाते हैं । जनता के अलावा उनकी अपेक्षाएं भी बढ़ जाती हैं । इसी वजह से धीरे धीरे राज्यों में कांग्रेस की शक्ति कमजोर हुई है । गणतंत्र में मीठे फल सब खाना चाहते है , लेकिन फल फूल देने वाले पेड़ों की चिंता कम लोगों को रहती है । लोकतंत्र पर गौरव करने वाले कुछ पार्टियों के नेता अपने संगठन के स्वरुप को ही अलोकतांत्रिक बनाते जा रहे हैं । संविधान , नियम कानून , चुनाव आयोग के मानदंडों के रहते हुए राजनीतिक दलों को ही खोखला किया जा रहा है । हाल के वर्षों में तो यह देखने को मिल रहा है कि कुछ नेता अपनी ही पार्टी के समकक्ष नेताओ को नीचे दिखाने , हरवाने , उनके बारे में अफवाहें फ़ैलाने का काम करने लगते हैं । अपने परिजनों या प्रिय जनों को सत्ता में महत्वपूर्ण कुर्सी नहीं मिलने पर बगावत कर देते हैं । विचारधारा का नाम लिया जाता है , लेकिन बिल्कुल विपरीत विचार वाले दल के साथ समझौता कर लेते हैं । कार्यकर्ता और जनता कि भावना से कोई मतलब नहीं रहता ।

यों यह बात नई नहीं है । बहुत से लोग आजकल वर्तमान स्थिति में निराश होकर चिंता व्यक्त करते हैं । उनके लिए मैं एक पत्र की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूँ । पत्र में लिखा था मैं शिद्धत से महसूस कर रहा हूँ कि कांग्रेस मंत्रिमंडल बहुत अक्षम तरीके से काम कर रहे हैं । हमने जनता के मन में जो जगह बनाई थी , वह आधार खिसक रहा है । राजनेताओं का चरित्र अवसरवादी हो रहा है । उनके दिमाग में पार्टी के झगड़ों का फितूर है ।वे इस व्यक्ति या उस गट को कुचलने की सोच में लगे रहते हैं । यह पत्र आज के कांग्रेसी का नहीं है । यह पत्र महात्मा गाँधी ने 28 अप्रैल 1938 को लिखा और नेहरू को भेजा था , जब राज्यों में अंतरिम देशी सरकारें बानी थी । फिर नवम्बर 1938 में गांधीजी ने अपने अख़बार हरिजन में लिखा - यदि कांग्रेस में गलत तत्वों की सफाई नहीं होती तो इसकी शक्ति ख़त्म हो जाएगी। मई 1939 में गाँधी सेवा संघ के कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए महात्माजी ने बहुत दुखी मन से कहा था ÷ मैं समूची कांग्रेस पार्टी का दाह संस्कार कर देना अच्छा समझूंगा , बजाय इसके कि इसमें व्याप्त भ्र्ष्टाचार को सहना पड़े । शायद उस समय के नेताओं पर गाँधीजी की बातों का असर हुआ होगा , लेकिन क्या आज वही या अन्य पार्टियां भी उस विचार आदर्श से काम कर रही हैं ? केवल फोटो लगाने या मूर्ति लगाकर पूजा करने से पार्टी , सरकार या देश का कल्याण हो सकता है ? लोकतंत्र में असहमतियों को सुनने - समझने और गल्तियों को सुधारते हुए पार्टी , सरकार और समाज के हितों की रक्षा हो सकती है । राजनीतिक व्यवस्था सँभालने वालों को आत्म निरीक्षण कर अपने दलगत ढांचे में लोकतान्त्रिक बदलाव का संकल्प गणतंत्र दिवस के पर्व पर करना चाहिए । लोकतंत्र की मजबूती के लिए उन्माद नहीं सही मुद्दों और समाज को जागरूक एवं शिक्षित करने की जरुरत होती है । इन दिनों तो प्रतिपक्ष के नेता गलत जानकारी और भय का वातावरण बनाकर जनता को भ्रमित करते दिख रहे हैं । संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा था बिना चरित्र और बिना विनम्रता के शिक्षित राजनीतिक व्यक्ति जानवर से ज्यादा खतरनाक है ।यह समाज के लिए अभिशाप होगा । दुःख तब होता है जब गलत व्यक्ति चुने जाने पर कुछ नेता जनता को दोषी ठहराने लगते हैं । वास्तव में उन्हें अपने काम , पार्टी को सही दिशा के साथ जनता के बीच सक्रिय रखना होगा । तभी उन्हें लोकतंत्र के पर्व को मनाने का लाभ मिलेगा । गणतंत्र की गौरव गाथा की जयकार करते हुए भारतीय संविधान निर्माताओं के लक्ष्यों और भावनाओं का स्मरण भी होना चाहिए । संविधान को अंतिम रुप दिए जाने के बाद 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा के अध्यक्ष डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने कहा था - यदि चुनकर आए लोग योग्य , चरित्रवान और ईमानदार हुए तो वे दोषपूर्ण संविधान को भी सर्वोत्तम बना देंगे । यदि उनमें इन गुणों का अभाव रहा तो संविधान देश की कोई मदद नहीं कर सकता ।आख़िरकार संविधान एक मशीन की तरह निर्जीव है । इसमें प्राणों का संचार उन व्यक्तियों पर निर्भर है , जो इस पर नियंत्रण कर चलाते हैं। देश का हित सर्वोपरी रख ईमानदार लोग ही यह काम कर सकेंगे। गणतंत्र की शक्ति से ही दुनिया के कई लोकतान्त्रिक देशों के मुकाबले भारत की राजनीतिक शक्ति में बढ़ोतरी हुई है । सामान्य आंतरिक आलोचना - विरोध भले ही हो , रुस , अमेरिका , ब्रिटेन , जर्मनी , फ्रांस , जापान जैसे सम्पन्न शक्तिशाली देश भारत के लोकतंत्र और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना कर अंतर्राष्ट्रीय शांति तथा विकास में महत्वपूर्ण भूमिका मान रहे हैं ।

संसद को लोकतंत्र के मंदिर की संज्ञा दी जाती है। 1952 से 2025 तक की संसद में सांसदों की अहम् भूमिका से सामाजिक आर्थिक बदलाव हुए हैं । इसलिए संसद के हंगामों , सत्ता के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के आरोपों के आधार पर संसद का अवमूल्यन उचित नहीं है । असली खतरा बाहरी आतंकी हमले , नक्सल संगठनों और उनको समर्थन देने वाले कथित शिक्षित लेकिन विदेशी फंडिंग पर पलने वाले अर्बन नक्सल तथा कट्टरपंथी संगठनों से है । संविधान प्रदत्त अधिकारों की दुहाई और न्याय व्यवस्था की कमजोरी का लाभ उठाकर ऐसे तत्व समाज में हिंसा और अराजकता फ़ैलाने की कोशिश करते हैं । इससे भी महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि अमेरिका या यूरोपीय देशों के लोकतान्त्रिक अधिकारों से तुलना करने और उनकी अर्थ व्यवस्था से प्रतियोगिता करने वाले नेता और संगठन संविधान पर अमल के लिए आवश्यक कर्तव्यों के पालन और उनके लिए व्यापक जागरूकता के साथ निभाने के लिए कितने प्रयास करते हैं ? संसद द्वारा पारित कानूनों को नहीं स्वीकारने की घोषणा करने में भी उन्हें कोई हिचक नहीं होती । राहुल गांधी और उनके अराजक रास्तों के समर्थकों ने सम्पूर्ण समाज में अनावश्यक भ्रम पैदा करने के अभियान चला रखे हैं । कांग्रेस सहित कई दलों के अपने संविधान में मद्य निषेध और सादगीपूर्ण जीवन की अनिवार्यता लिखी है , लेकिन कितने नेता उनका पालन कर रहे हैं ? कर्तव्य नहीं स्वीकारने की पराकाष्ठा यह है कि संविधान की शपथ लिए हुए मुख्यमंत्री सड़क पर धरना - आंदोलन और संसद द्वारा पारित कानून के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के जरिये जनमत संग्रह तक की शर्मनाक मांग करने लगे हैं ? दुनिया के किस देश में राज्यों में बैठे सत्ताधारी क्या इस हद तक अपनी ही राष्ट्रीय सरकार और नीतियों का विरोध करते हैं? प्रधान मंत्री , राज्यपालों , चुनाव आयुक्तों , सेना प्रमुखों, अदालतों के विरुद्ध अनुचित प्रचार करते हैं । अपनी सेना तक को भड़काते हैं ? जब नेता स्वयं अधिकारियों , शिक्षकों, डॉक्टरों, इंजीनियरों को अपने कर्तव्यों से हटकर गलत काम करवाते रहेंगे तो अप्रत्यक्ष रूप से संविधान के तहत सामान्य नागरिकों के हितों को नुकसान नहीं पहुंचेगा?

क्षेत्रीय हितों की रक्षा के लिए आवाज उठाना उचित है , लेकिन उसके नाम पर सत्ता में आने के बाद केंद्र की सरकार से निरंतर टकराव की नीति से प्रदेशों का सामाजिक आर्थिक विकास कैसे संभव होगा ? संविधान निर्माताओं ने कभी कल्पना नहीं की होगी कि स्वायत्तता के नाम पर प्रादेशिक सरकारें कानून व्यवस्था की केन्दीय एजेंसियों को अंगूठा दिखाने लगेंगी , शिक्षा के मामले में मनमाने पाठ्यक्रम लादने लगेंगीं , जाति और धर्म के नाम पर स्वयं उन्माद पैदा करने लगेगीं । जिम्मेदारी राष्ट्रीय पार्टियों की भी है कि वे स्वयं क्षेत्रीय आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर क्षेत्रीय नेतृत्व को तैयार करे और उन्हें मजबूत भी करे ।

गणतंत्र में कार्यपालिका तो विधायिका के साथ जुडी हुई है । तीसरा आधार स्तम्भ है - न्यायपालिका । इन दिनों सरकर , संसद और न्याय पालिका के बीच गंभीर तनाव और टकराव की स्थिति दिख रही है । यह खतरे की घंटी है । टकराव को समाप्त करने के लिए दोनों पक्षों को संवाद के जरिए हल निकालना होगा । केवल अपनी शक्ति सर्वोपरि होने के दावे से व्यवस्था नहीं चल सकती । हाँ संविधान निर्माताओं ने चुनी हुई संसद को सर्वोच्च स्थान दिया था । एक तरह से संतुलन और निगरानी के लिए न्यायपालिका को अधिकार दिए थे । इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश वेंकटचलैया और जे एस वर्मा ने जजों की नियुक्ति के लिए एक आयोग बनाने और न्यायाधीशों के साथ सरकार के प्रतिनिधि को रखने की सिफारिश की थी । 7 जज द्वारा स्वयं जज का नाम तय करने के अधिकार से कुछ पक्षपात और भाई भतीजावाद के आरोप के खतरे रहे हैं ।बहरहाल कुछ लोगों और आशंकाओं के आधार पर न्यायपालिका की विश्वसनीयता कम नहीं आंकी जा सकती है । आज भी करोड़ों लोगों की न्याय व्यवस्था पर आस्था है । चौथे स्तम्भ मीडिया के विरुद्ध राजनीतिक अभियानों से उसकी विश्वसनीयता को खतरा पैदा हो रहा है । अदालत की तरह मीडिया में भी कुछ कमियां - गड़बड़ी हो सकती है , लेकिन अब भी स्वतंत्र अभिव्यक्ति और बढ़ती प्रतियोगिता से समाज लाभान्वित हो रहा है । इसलिए गणतंत्र के उत्सव पर पूरे उत्साह से मनाने के साथ सबको अपने अधिकारों और कर्तव्यों को निभाने का संकल्प भी लेना चाहिए ।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

गणतंत्र दिवस- हमारा कर्तव्य

शिवप्रकाश
राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री, भाजपा

26 जनवरी को भारत अपने गणतंत्र का 76 वां वर्ष हर्षोल्लास से मना रहा है। 26 जनवरी 1950 को भारत ने अपने संविधान को लागू किया था। 75 वर्षों की भारत की यह यात्रा चुनौतियों से भरी हुई , लेकिन एक सफल लोकतंत्र की कहानी है। हमारी इस सफलता में भारत के संविधान का महत्वपूर्ण योगदान है । संविधान सभा द्वारा अपना यह संविधान 26 नवंबर 1949 को राष्ट्र को समर्पित किया गया था हमने उस समय यह संकल्प दोहराया था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक न्याय देने के प्रति हम प्रतिबद्ध हैं । हम अपनी-अपनी श्रद्धा एवं आस्थाओं का पालन करते हुए बंधुभाव के साथ राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण रखेंगे । हमारे संविधान की विशेषताओ के संदर्भ में अफ्रीकी नेता नेल्सन मंडेला ने कहा था कि भारत का संविधान दक्षिण अफ्रीकासहित कई अन्य उभरते लोकतंत्रों के लिए प्रेरणा बना है, क्योंकि इसने विविधता में सम्मान सिखाया है । गणतंत्र दिवस के इस उत्सव के अवसर पर हम भारत के लोगों को भविष्य की चुनौतियों के प्रति सजग रहते हुए उन चुनौतियों पर विजय प्राप्त कर प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के संकल्प को पूर्ण करना है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने पंचप्रण के आह्वान में भारतवासियों से सभी प्रकार की गुलामी से मुक्ति का आह्वान किया है । कुछ विदेशी विद्वानोंद्वारा योजनाबद्ध पद्धति से भारतीय समाज में हमारी व्यवस्थाओं, इतिहास, महापुरुषों एवं संस्कृति के प्रति हीनता का भाव उत्पन्न किया गया, इसका परिणाम हुआ कि हमारा समाज आत्महीनता के भाव से ग्रसित हुआ है । हमारे राष्ट्र का आधार क्या है, किन मूल्यों के आधार पर हम आगे बढ़ेंगे ऐसे विषयों पर संपूर्ण राष्ट्र संभ्रम में है । भारत ही दुनिया का ऐसा देश है जिसके नाम भी भारत / इंडिया दो है । यह स्थिति ही भारत के अनेक विवादों का कारण है । डॉ. एस. राधाकृष्णन का संविधान सभा का भाषण - राष्ट्रीयता निर्भर करती है , उस जीवन पद्धति पर जिसे चिरकाल से हम बरतते चले आ रहे है। यह जीवन पद्धति तो इस देश की निजी वस्तु है। ÷ महात्मा विदुर जी ने कहा था कि ÷संभ्रम की स्थिति में राजा,प्रजा सहित संपूर्ण राष्ट्र समाप्त हो जाता है ÷ गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत के गौरव का स्मरण कर संभ्रमरहित अपने सांस्कृतिक मूल्यों के आधार पर समाज के जागरण का संकल्प लें।

15 अगस्त को लाल किले से अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में बदलते जनसांख्यिकीपरिवर्तन पर चिंता व्यक्त की थी जनसंख्या के इस असंतुलन के कारण भारत का विभाजन हम देख चुकेहैं। योजनाबद्ध पद्धति से अनेको माध्यमो से भारत में धार्मिक आधार पर जनसंख्या परिवर्तन को पुनः आकार देने का कार्य हो रहा है। घटती हिंदु जनसंख्या एवं उसके परिणाम पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में हम प्रतिदिन होने वाली घटनाओं से अनुभव कर सकते है । मिस्त्र, तुर्की, ईरान, लेबनान, कोसोवो भी बढती जनसंख्या के कारण समाप्त हुई अपनी प्राचीन संस्कृति के साक्षी है । प्रसिद्ध समाजशास्त्री अगस्टकाम्टे (AUGUSTECOMTE) ने इन्हीं अनुभवों के आधार पर कहा था कि "Demography is Destiny" (जनसंख्या ही भाग्य है) । हम भारत के लोग इन आसन्न खतरों को पहचानकर विदेशी घुसपैठियों को "Detect, Delete, Deport" करने में सहायक बनकर लोकतंत्र को बचाने में सहभागी बने(विश्व में भारत की बढ़ती शक्ति के कारण अनेक विदेशी शक्तियां , विदेश प्रेरित व्यक्ति एवंसंस्थाएँ परेशान दिखाई दे रही है। इस परेशानी के कारण वह मान्यता प्राप्त संवैधानिक संस्थाओं एवं व्यवस्थाओं को बदनाम करने का निरंतर प्रयास भी कर रहे हैं। अनेक देशों द्वारा प्रशंसित विश्व में अपना विशिष्ट महत्व रखने वाले भारतीय चुनाव आयोग एवं ईवीएम पर आरोप लगाना , सीएए का आधार लेकर भ्रम निर्माण करते हुए समाज में संघर्ष खड़ा करना, संविधान बदलने एवं आरक्षण हटाने जैसे आरोप लगाना, किसान आंदोलन के नाम पर होने वाली घटनाएं यह सब इसी के जीवंत प्रमाण है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में प्रारंभ हुए आंदोलनो द्वारा चुनी हुई सरकारों को बदलने में भी इन्ही शक्तियों का हाथ बताया जाता है। GENZके नाम पर भारत में भी वह यह स्वप्न संजोए हैं 7 26 नवंबर 1949 को बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने अपने संविधान सभा के अंतिम भाषण में कहा था कि यह Grammar OfAnarch4 (अराजकता का व्याकरण) है । उन्होंने कहा कि यह तथाकथित जनआंदोलन लोकतांत्रिक व्यवस्था के विरुद्ध प्रचार को हथियार के रूप में प्रयोग करने का प्रयास था। भारत में विदेशी सहायता प्राप्त अनेक स्वयं सेवी संगठन इस अराजकता के पीछे सक्रिय है। अनेक देशों में परस्पर संघर्ष कराकर एवं आर्थिक साम्राज्यवाद के माध्यम से विश्व में अपने प्रभुत्व का समर्थन देखने वालों के लिए भारत को स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता के आधार पर विकसित एवं सुरक्षितबनाना ही उत्तर होगा।

पश्चिमी एवं साम्यवादी विचारों से प्रेरणा प्राप्त अनेक विद्वान भारत को राष्ट्र नहीं अनेक राष्ट्रों के समूह के रूप में देखते हैं। उत्तर-दक्षिण, आर्य-द्रविड़ आदिवासी -शहरी, दलित - हिंदू आदि के आधार पर भेदभाव को सैद्धांतिक मान्यता प्रदान करना यह उन समूहों का प्रयास रहा है। अर्बन नक्सलवादियों एवं सशस्त्र विद्रोहियों के आधार पर तथाकथित समानता लाने वाले लोग भारत के विभाजन के स्वप्न ही सदैव से देखते रहे हैं। भारत सदैव से एक राष्ट्र है,उसकी संस्कृति एक है, विविधता (Unity in Diversity) में ही हमने एकता के दर्शन किए हैं। आसेतु हिमाचल हम एक है। इस सत्य की अनुभूति न होने के कारण स्वार्थवश अल्पज्ञानीसत्तालोलुप राजनीतिक नेतृत्व विभाजनकारी वक्तव्य देने का कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया प्रकल्प एक भारत - श्रेष्ठ भारत इसीएकत्व की अनुभूति हम भारतवासियों को कराता है काशी - तमिल संगमम् इसका जीवंत उदाहरण है। हम भारत के लोगों ने करोड़ों भारतवासियों को इस सत्य की अनुभूति कराने का सफल प्रयास करना है। भारत की सरकार ने 31मार्च 2026 तक भारत को नक्सलवाद से मुक्तिदिलाने का संकल्प लिया है 7 2014 से अब तक लगभग 2000 से अधिक नक्सली मारे गए है एवं लगभग 7000 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर संविधान में आस्था व्यक्त की है। हम सभी भारतवासियों को नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र में होने वाले विकास एवं पुनर्वास में सहायक बनकर नक्सल मुक्त भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प में सहायक बनना होगा। कट्टरवादी ताकतें सभी स्थानों पर अपने को पीड़ित दिखाकर अपनी पहचान बचाने के नाम पर अनेक षडयंत्र कर रही हैं। बांग्लादेश में मकर संक्रांति का विरोध,अमेरिका के टैक्सास में अलग भूमि की मांग, मतांतरण एवं लव जेहाद के षड्यन्त्र भारत सहित सभी स्थानों पर हम देख रहे है। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन द्वारा समाज में भय निर्माण करने का प्रयास हो रहा है। कानून व्यवस्था एवं न्याय प्रणाली को चुनौती देना कुछ समूहों का स्वभाव ही बनता जा रहा है। राष्ट्र के हित में विचार करने वाले सभी राष्ट्र हितैषियों के लिए यह चिंता का विषय है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सामान्य व्यक्ति की भागीदारी के लिये परिवारवाद से मुक्ति, आर्थिक योजना के क्रियान्वयन में प्रमाणिकता यह हमारे व्यवहार एवं निर्णयों का विषय बनना चाहिए। सरकारों की सफलता का आधार विकास एवं समाज की खुशहाली बने, न कि उनका मूल्यांकन जाति एवं क्षेत्र के आधार पर हो। इसके कारण समाज का आंतरिक वातावरण परस्पर सद्भाव एवं बंधुता से युक्त बनेगा। गणतंत्र दिवस के इस अवसर पर संवैधानिक मूल्यों का पालन कर, चुनौतियों के प्रति जागरूक रहते हुए हम अपने कर्तव्यों का पालन करे, यही हम सब भारतवासियों का कर्तव्य है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

गेजेट्स अपडेट

अगले साल स्वदेशी स्मार्टफोन ब्रांड्स लाने की तैयारी, सवाल-चीनी उत्पाद को दे पाएंगे टक्कर?

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत बहुत जल्द अपने खुद के ब्रैंड्स के साथ ग्लोबल स्मार्टफोन मार्केट में एंट्री कर सकता है। मंत्री ने कहा कि अगले 12 से 18 महीनों में भारत के ग्लोबल स्मार्टफोन ब्रैंड्स के लॉन्च होने की उम्मीद है। सरकार ने इस दिशा में जरूरी तैयारियों को पूरा कर लिया है। इस घोषणा से कुछ सवाल खड़े होते हैं, जिनका जवाब तलाशने की जरूरत है। ये सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि भारतीय ब्रैंड लावा पहले से देश में मौजूद है और ग्लोबल मार्केट में पैर फैलाने की तैयारी में जुटा है।

पहला सवाल यह है कि जिन स्मार्टफोन ब्रैंड को लाने की तैयारी है वो सभी प्राइवेट होंगे या उनमें सरकार की भी भागीदारी होगी। मोदी सरकार ने सरकारी टेलिकॉम कंपनी क्ष्स्ह्रुको जिस तरह से नई दिशा दी है, उसमें यह हो सकता है कि स्मार्टफोन मार्केट में किसी ऐसे सरकारी ब्रैंड को लाया जाए, जिसमें सरकार की भूमिका हो और जो बजट कैटिगरी में फोकस करे। भारत में स्मार्टफोन्स की मैन्युफैक्चरिंग होती है, लेकिन अभी भी फोन के कई पार्ट्स बाहर देशों से मंगाकर असेंबल किए जाते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जिस स्वदेशी स्मार्टफोन ब्रैंड को लाने की बात कही जा रही है, वह 100 फीसदी स्वदेशी होगा या फोन के कुछ पार्ट्स सिर्फ असेंबल किए जाएंगे।

भारत में चीनी ब्रैंड्स का दबदबा: भारत के स्मार्टफोन बाजार और दुनिया के स्मार्टफोन मार्केट में भी चीनी स्मार्टफोन ब्रैंड- वीवो, ओपो, शाओमी का दबदबा है। इन सभी ब्रैंड्स ने देश में अपना अच्छा नेटवर्क बनाया है। ऑनलाइन और ऑफलाइन मौजूदगी काफी मजबूत है और कस्टमर सर्विस पर भी ये ब्रैंड खूब ध्यान देते हैं। क्या भारतीय ब्रैंड, चीनी ब्रैंड को टक्कर दे पाएंगे। इसके लिए क्या योजना तैयार होगी। स्मार्टफोन मार्केट में इनोवेशन तेजी से हो रहे हैं। रियलमी जैसे ब्रैंड 10 हजार एमएएच बैटरी वाला स्मार्टफोन लॉन्च करने वाले हैं। प्रोसेसर, कैमरा के क्षेत्र में भी रिसर्च और डेवलपमेंट बहुत तेजी से किया जा रहा है।

यूज़र्स गाइड

पुलिस का अलर्ट ,सेकण्ड हेंड फोन खरीदते रहें सावधान

सेल पर्चेज की साइट या सोशल मीडिया के अलग अलग प्लेटफॉर्म पर बेशक सेकंड हैंड फोन की बेस्ट डील मिल रही हो। लेकिन बेस्ट ऑफर के चक्कर में सेकंड हैंड फोन खरीदने से पहले अच्छे से वेरिफाई जरूर कर लें। ऐसा इसलिए क्योंकि यह आपके लिए रिस्की भी हो सकता है। इस संबंध में कुछ दिन पहले ने पब्लिक के लिए अलर्ट मैसेज जारी किया है। जिसमें कहा है कि 'यूज्ड किया हुआ फोन देखने में तो अच्छा लग सकता है, लेकिन क्या यह सेफ डील है? चोरी या ब्लॉक हुए डिवाइस से बचने के लिए यूज किया हुआ फोन खरीदने से पहले हमेशा सिम वेरिफाई करें। जागरूक रहें और सुरक्षित फैसले लें'।

डीसीपी विनीत कुमार ने बताया कि अगर आईएमईआई नंबर किसी भी तरह के क्राइम से लिंक है कि तो उसकी जवाबदेही फोन खरीदने वाली की भी होगी। इसके लिए जरूरी सलाह है कि संचार साथी ऐप पर चेक कर लें। जब भी खरीदें तो आईएमईआई पर चैक जरूर कर लें। अक्सर चोरी हुए मोबाइल का आईएमईआई नंबर टेंपर्ड कर दिया जाता है। जिसके बारे में खरीदार को पता नहीं रहता कि यह चोरी या लूट का है। इससे वह कानूनी शिकंजे के खतरे में आ सकता है। ध्यान रखें आईएमईआई मोबाइल पैकेजिंग बॉक्स पर लिखा होता है।

निशाना

बधाई हो देश में गणतंत्र है..!

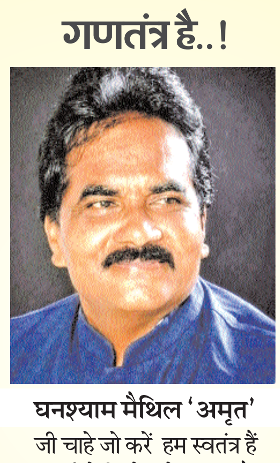

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

जी चाहे जो करें हम स्वतंत्र हैं
बधाई हो कि देश में गणतंत्र है,
भाषा भूषा भोजन हैं बदले सभी
होकर स्वतंत्र आज भी परतंत्र हैं,
पहले खुद और यह देश बाद में
स्वार्थ के कंठस्थ हमें सब मंत्र हैं
हैं संवेदनाएँ सूख गईं मनुष्य की
अब आदमी रहे कहाँ सब यंत्र हैं,
सब कायदे क़ानून रखते जेब में
सबने किये विकसित अपने तंत्र हैं,
मुश्किल हुआ जीना यहाँ पे देखिए
चारों तरफ इतने अधिक षड़यंत्र हैं।

गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
26
सौजन्य से:
एक शुभेच्छु गंजबासौदा

गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
26
बेटी बचाओ
बेटी पढ़ाओ
सौजन्य से.
महिला एवं बाल विकास विभाग गंजबासौदा

गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
26
सौजन्य से
आबकारी ठेकेदार

गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
26
गाओ गीत,
करो गुणगान
देश के किसानों
का हो सम्मान
सौजन्य से.
कृषि विभाग, गंजबासौदा

DC MALL
A One Stop Solution for all your
Business Shopping & Entertainment needs!
DREAM CITY
दुकान ₹ 5 99,000 मात्र
बैंक फाइनेंस सुविधा उपलब्ध है
बुकिंग राशि म
CALL NOW
7089515791

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
राकेश जैन विधुत अध्यक्ष
अनिल दुबे सचिव
सौजन्य से.
राजेश तिवारी, संस्थापक
रक्त सेवा समिति, गंजबासौदा
पूर्व केन्द्रीय सहमंत्री, विहिप
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भाजपा
अध्यक्ष, हिन्दू उत्सव समिति बासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
26
सौजन्य से. वार्ड 19
पार्षद एवं
जनभागीदारी समिति
अध्यक्ष
संजय गांधी स्मृति
महाविद्यालय गंजबासौदा
रितुज ऐलिया

सैण्टएसआरएस पब्लिक हासे स्कूल की ओर से
सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
के.एस. यादव
संचालक
उमेश यादव
प्राचार्य

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
26
वंदे मातरम्
निवेदक-
पुष्पेन्द्र तिवारी, पटवारी
गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
सौजन्य से:
सै.शफाकत हुसैन कादरी
सह संयोजक
मुस्लिम राष्ट्रीय
मंच गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
26
सौजन्य से-
नरेन्द्र डे
निरीक्षक, राजस्व शाखा
नगरपालिका परिषद, गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
सौजन्य से.
संदेश मिश्रा, शिक्षक

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
अमित दुबे पट्टू
कांग्रेस नेता

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
26
राजेश माहेश्वरी
वरिष्ठ कांग्रेस नेता

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
डॉ. विमलचंद्र ओसवाल
वरिष्ठ समाजसेवी
26
वंदे मातरम्
सौजन्य से:
राजीव, संजय, यश ओसवाल एवं
समस्त ओसवाल परिवार, गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
तपस्या जैन
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
सौजन्य से
जनपद पंचायत गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
हेलमेट-सीटबेल्ट का उपयोग करें,
गति सीमा पालन करें,
नशे में गाडी ना चलाऐं
यातायात के सभी नियमों का पालन करें
सौजन्य से
यातायात पुलिस,
गंजबासौदा
निरपत सिंह लोधी
प्रभारी

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
सावन अग्रवाल
युवा व्यापारी

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
बिजेन्द्र लोधी
जिलाध्यक्ष
शिवसेना विदिशा

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
सौजन्य से
स्व. श्री नारायण
सदाशिव पिंगले
सेवा संस्थान
गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
डॉ. ए.के. जैन
समाजसेवी

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
कांतिभाई शाह
वरिष्ठ समाजसेवी
वंदे मातरम्
सौजन्य से. रमेश भाई, जयेश भाई,
सुभाष भाई, क्यूर भाई, वीरम भाई
एवं शाह परिवार

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
सौजन्य से
मध्यक्षेत्र विद्युत
वितरण कंपनी
लिमिटेड, गंजबासौदा
जिला विदिशा
वंदे मातरम्

सभी क्षेत्रवासियों को की हार्दिक
गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
संजीव रघुवंशी
(शिक्षक)
शासकीय माध्यमिक
शाला चौराबर

दोपहर मेट्रो परिवार की तरफ से
सभी पाठकों एवं विज्ञापन दाताओं को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
समाचार एवं विज्ञापन
के लिए संपर्क करें
9425645454
7000483144
हरिनारायण विश्वकर्मा
संवाददाता, गंजबासौदा

26 जनवरी
गणतंत्र दिवस
डॉ. राजकुमार ठाकुर

सभी नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
DWIVEDI
SECURITY SERVICES
MANDIDEEP
CONTACT : 9926369142

सभी देशवासियों को
26
REPUBLIC DAY
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनायें
GOEL TMT
RAJ TRADERS
MANDIDEEP
Mob. 9827204841
GOEL TMT
राज ट्रेडर्स
मण्डीदीप जिला-रायसेन

ओरियंटल पब्लिक
हायर सेकेंडरी स्कूल
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनायें
एस.एस. राजपूत
पता : शीतल दीप, पिपलिया गज्जू के सामन, मंडीदीप, जिला-रायसन (म.प्र.)
मो.: 9893320030, 9752828168

THE CHILD CARE ACADEMY
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनायें
अनंत मालवीय
संचालक

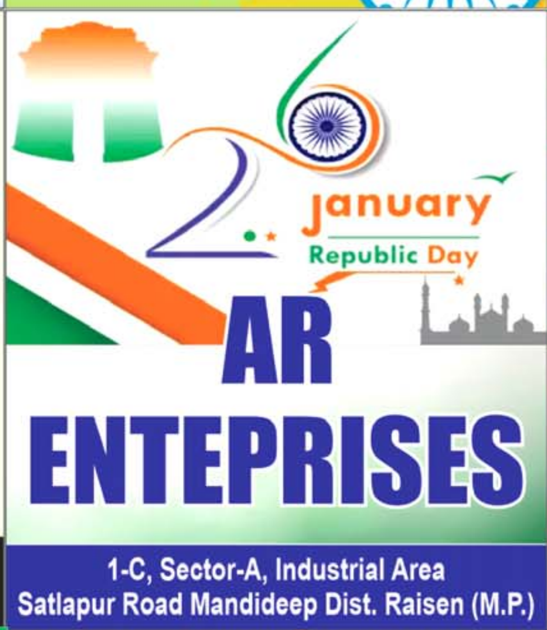
26 January
Republic Day
AR
ENTEPRISES
1-C, Sector-A, Industrial Area
Satlapur Road Mandideep Dist. Raisen (M.P.)

महावीर इन्टरप्राईजेस
महावीर वेयर हाउसिंग
सभी नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
सार्थक राजीव जैन
मण्डीदीप - मो. 9685737611

HOTEL
SHIV VILAS
WE SERVE QUALITY
सभी नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री शिवसिंह चौहान

सभी नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक-हार्दिक
शुभकामनाएँ
श्री अजीत सिंह मीना
श्री सुरेन्द्र मीना (करण भैया)

26
JANUARY
happy republic day
कृष्णकुमार चौबे (पप्पू चौबे)

अस्था क्लीनिक
DR. HARIOM VERMA
MBBS
चर्मरोग, पीलिया, टॉयफाईड (मोतीझरा)
महावारी का समय पर ना आना
26 जनवरी
गणतंत्र दिवस
विशेष उपचार
पता : 89, महावीर नगर फेस-1 मंडीदीप, स्टेशन रोड जिला रायसेन (म.प्र.)
मो. 9981951091

ANANYA PACKAGE PVT. LTD.
MANDIDEEP
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनायें
26
JANUARY
राजीव अग्रवाल
अध्यक्ष
एसोसिएशन ऑफ आल इण्डस्ट्रीज, मंडीदीप

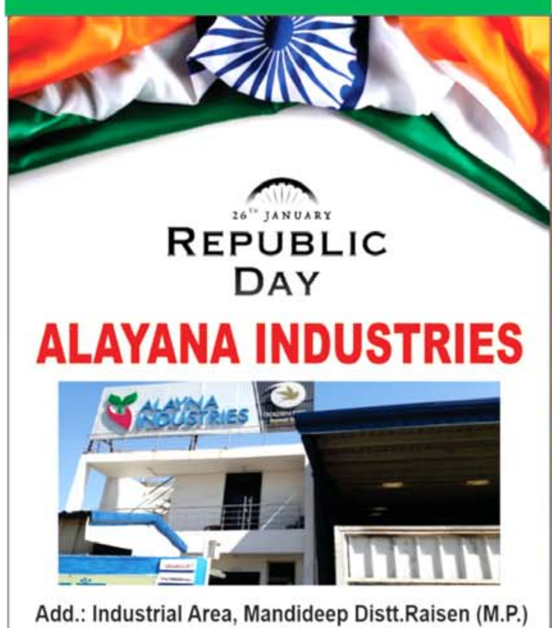
26th JANUARY
REPUBLIC
DAY
ALAYANA INDUSTRIES
Add.: Industrial Area, Mandideep Distt.Raisen (M.P.)

BINDIYA PUBLIC
H.S. SCHOOL
ADMISSION
OPEN
सभी नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
BINDIYA DHAM COLONY, GAJJU PIPALIYA ROAD,
MANDIDEEP DIST. RAISEN (M.P.) - 9893532887

The Koshi's
MANSI
Beauty Parlour
26 जनवरी
गणतंत्र दिवस
सभी नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
Renu Chandani
Simran (Sujal)
Skin Care Expert & Hair Specialist
8435111001, 9754557828, 8839110627
Main Market, Durga Chowk, Mandideep

SHIVDULARI
MEMORIAL ACADEMY
ADMISSION
OPEN
सभी नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
पता - इन्द्रपुरी चौराहा, प्रमोद सिंह अपार्टमेंट, मो. मस्जिद के सामने
जिला-रायसेन (म.प्र.) - मो. 9826287353, 9131943899

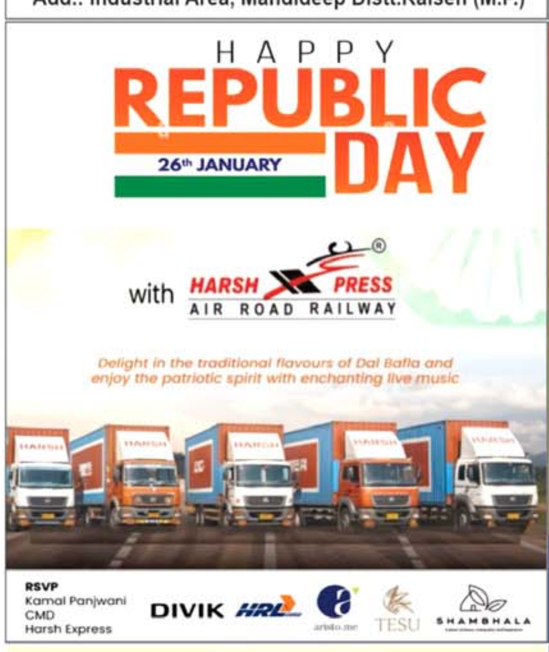
HAPPY
REPUBLIC
DAY
26th JANUARY
with HARSH PRESS
AIR ROAD RAILWAY
Delight in the traditional flavours of Dal Bafla and enjoy the patriotic spirit with enchanting live music
RSVP
Kamal Panjwani
CMD
Harsh Express
DIVIK

प्रो. मुकेश कुमार गोहाटिया
मो. 8959811958
सौम्या मेडिकल
सभी दवाईयाँ उचित मूल्य पर उपलब्ध व घर पहुँच सुविधा
सभी नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
LIG-119, इन्द्रा नगर, मंडीदीप जिला-रायसेन (म.प्र.)

जी हाँ!
HP GAS
your friendly gas
COOKWELL
GAS AGENCY
INDIRA NAGAR, MANDIDEEP-9330090802

26
JANUARY
समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक
शुभकामनाएँ
बधाईकर्ता : अमर बाबा (मण्डल उपाध्यक्ष, भाजपा नगर, मण्डीदीप)

26
JANUARY
Happy
Republic
Day
गणतंत्र दिवस पर
देशभक्ति अनमोल विचार
Kailash Gupta
Prisident- All India Motor Transport
Congress Dist. Raisen

GOLDEN CARRY PUBLIC SCHOOL
Add.: Ward No.12, Indira Nagar, Mandideep - 462046
(HIGHER SECONDARY SCHOOL)
ADMISSION OPEN
CLASS - NURSERY TO XII
(SCIENCE / MATHS / COMMERCE)
26th
JANUARY
CCTV SURVEILLANCE
COMMUNICATION SKILLS
SMART/DIGITAL CLASSES
SPORTS/YOGA CLASSES
QUALIFIED & TRAINED TEACHERS
AFFORDABLE FEE STRUCTURE
ACTIVITY BASE EDUCATION
CONTACT NO - +91-9977121061, 9893491443, 6261687375

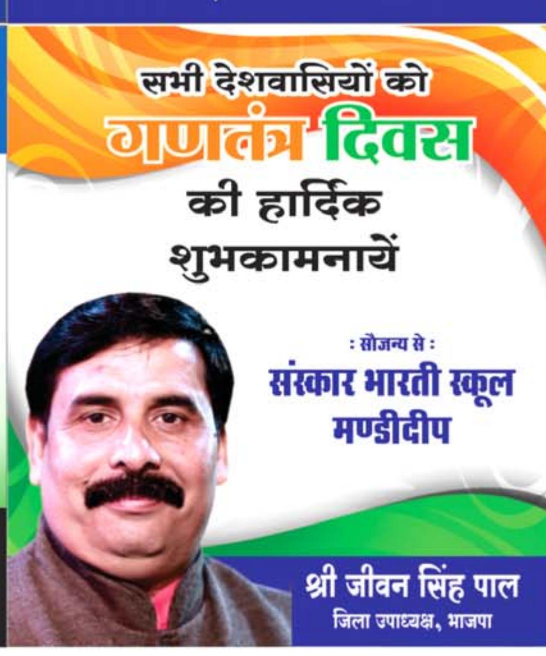
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक
शुभकामनायें
: सौजन्य से :
संस्कार भारती स्कूल
मण्डीदीप
श्री जीवन सिंह पाल
जिला उपाध्यक्ष, भाजपा

RAGHU COACHING
CLASSES
सभी नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक-हार्दिक
शुभकामनाएँ
Classes By : Akash Raghuwanshi

लिटिल स्कॉलर पब्लिक स्कूल
Happy Republic Day
समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं
पता : सतलापुर, मण्डीदीप जिला-रायसेन (म.प्र.)

समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाऐं
सलमान अली
जिला महामंत्री भारतीय जनता पार्टी अल्प संख्यक मोर्चा

समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाऐं
होटल पुष्पांजली
एन.एच. 46, इण्डस टाऊन, हरिगंगा नगर, भोपाल 462047

Happy Republic Day
26 January
समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाऐं
ताप्ती हायर सेकेण्डरी स्कूल
सतलापुर, मण्डीदीप

ड्रीम कान्वेन्ट
हायर सेकेण्डरी स्कूल
सतलापुर, मण्डीदीप
26 January
Happy Indian Republic Day

समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाऐं
बधाई कर्ता
मुन्नवर पटेल, जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा

सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
विवेक जागृति विद्या मंदिर
हायर सेकेण्डरी स्कूल, मण्डीदीप

गिरधर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट
की और से
सभी नगरवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
अरविंद पाटीदार
चेयरमेन
नीलेश पाण्डेय
मैनेजिंग डायरेक्टर

26 जनवरी गणतंत्र दिवस
सौजन्य से : सुरेन्द्र सिंह चौहान
HOTEL SURENDRA VILAS INN
आदर्श चौहान - 8889964249

26 जनवरी गणतंत्र दिवस
सभी नगरवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
होटल सिल्क

Jai Jhulelal
Since-1996
A EDUCATIONAL BOOK HOUSE
VISHWA BHARTI
सभी नगर देशवासियों को
26 जनवरी
की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई
स्कूल यूनिफार्म उपलब्ध
All Types of School Books and Stationery
ADD. 1: MAIN MARKET, DURGA CHOWK, MANDIDEEP, BHOPAL (M.P.) M.: 6264524501
ADD. 2: SETH PHOOLCHAND NAGAR MANDIDEEP
MOB.: 7828833628, 9300666252

प्रो. ओमप्रकाश सोनी
M.: 9425097470
8878393279
अंकुर ज्वेलर्स
26 जनवरी गणतंत्र दिवस
राधा कृष्ण मंदिर, सर्राफा बाजार, मंडीदीप

श्री रामाधार पाल
प्रो. दीपेन्द्र पाल
मो. 9630363655
9826927587
रुद्र ट्रेडर्स
रुद्र इंटरप्राईजेस
सभी प्रकार के बिल्डिंग मटेरियल उचित रेट पर उपलब्ध है
सभी नगरवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
पता - शॉप नं.15, 16 रॉयल पार्क सिटी, दाहोद रोड, मण्डीदीप

Dr. S.R. Thakur
Director
Mobile : 9009223966
SHREE HOSPITAL
26 जनवरी गणतंत्र दिवस
सभी नगरवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
Ward No.10 Station Road, Near Abedkar Bhawan
Ram Nagar, Mandideep-462046, Distt. Raisen (M.P.)
shriramthakurji@gmail.com

श्री चन्द्र
मो. 9165932682
।। जय माँ शेरा वाली ।।
सत्यप्रकाश
मो. 9926436833
दिल्ली स्वीट्स
एण्ड केटरिंग सर्विस
हमारे यहां : शादी-पार्टी, जन्मदिन, किटीपार्टी आदि अवसरों पर शाकाहारी भोजन स्वादिष्ट मिठाईयां, नमकीन व चाट आदि बनाने के आर्डर लिए जाते है।
स्पेशल लंच के लिए हमारे यहां कारीगरों की उचित व्यवस्था है।
26 January
वार्ड क्र.01, स्टेशन रोड, ओवर ब्रिज के पास, मण्डीदीप

श्री चन्द्र
मो. 9165932682
।। जय माँ शेरा वाली ।।
सत्यप्रकाश
मो. 9926436833
दिल्ली स्वीट्स
एण्ड केटरिंग सर्विस
हमारे यहां : शादी-पार्टी, जन्मदिन, किटीपार्टी आदि अवसरों पर शाकाहारी भोजन स्वादिष्ट मिठाईयां, नमकीन व चाट आदि बनाने के आर्डर लिए जाते है।
स्पेशल लंच के लिए हमारे यहां कारीगरों की उचित व्यवस्था है।
26 January

सेज, होशंगाबाद रोड, समरधा भोपाल

सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ADMISSION OPEN
ENGLISH FOUNDATION
HIGH SCHOOL, MANDIDEEP

सभी नगरवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
शिवशम्भू भोजनालय
शिवशम्भू भोजनालय एवं फेमिली ढाबा, मंडीदीप

सभी नगरवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
जगदीश प्रसाद शंकरलाल सोनी
वार्ड नं.5, राधाकृष्ण चौक, मण्डीदीप

26 January
Republic Day of India
राज कलेक्शन
सभी प्रकार की स्कूल यूनीफॉर्म एवं रेडीमेड गारमेंट्स के विक्रेता
मेन मार्केट दुर्गा चौक,मंडीदीप, मो. 7746060307

Happy Republic Day
ADMISSION OPEN
LITTLE SCHOLAR PUBLIC SCHOOL
(NURSERY TO 12TH)
Housing Board Colony, Satlapur, Mandideep, Dist. Raisen (M.P.)

NABH द्वारा मान्यता प्राप्त
An ISO 9001-2008 CERTIFIED
ललित गीताँजली मारकन हॉस्पिटल
(विद्याराम हॉस्पिटल प्रा. लि. द्वारा संचालित)
सुविधाएें
शिशु रोग विशेषज्ञ
जनरल फिजिशियन
अस्थि रोग विशेषज्ञ
महिला एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
ईसीजी, टीकाकरण
24 घंटे एम्बुलेंस सुविधा
Happy Republic Day
आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त इलाज किया जाता है
सेक्टर-बी, वार्ड नं. 11, इन्द्रा नगर, मंगल बाजार, मण्डीदीप, फोन-07480-401006

सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएं
माँ जानकी ट्रेडर्स
बधाई कर्ता: खुशबू अभिषेक मारन (भाजपा पार्षद वार्ड नं. 23)

सभी नगरवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ
नारायण साहू
सामाजिक कार्यकर्ता, मंडीदीप

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

77वें गणतंत्र दिवस की

प्रदेशवासियों को अनेक मंगलकामनाएं

"भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। आज राष्ट्र के हर नागरिक के हृदय में देशभक्ति और देश के लिए गर्व का भाव सशक्त हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नेतृत्व क्षमता के फलस्वरूप यह सब संभव हो पाया है। आज भारत वैश्विक शक्ति बनकर उभर रहा है।"

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश की उन्नति के मुख्य स्तंभ

अन्नदाता की समृद्धि से प्रगति की ओर मध्यप्रदेश

वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में घोषित किया गया है, इसका उद्देश्य अन्नदाता को समृद्ध और सशक्त बनाना है।

युवा शक्ति से राष्ट्र निर्माण

मध्यप्रदेश के युवा सक्षम और कौशलवान बनकर अपने सपनों को साकार करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

गरीब एवं जनजातीय वर्ग की तरक्की का संकल्प

गरीब और जनजातीय वर्ग के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार और समस्त मूलभूत सुविधाओं के लिए हमारी सरकार संकल्पित है।

सशक्त नारी - सशक्त मध्यप्रदेश

नारी परिवार और समाज का दर्पण होती है। महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनके पोषण, स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा एवं रोज़गार तक का ख्याल प्रदेश सरकार रख रही है।

अतुल्य विरासत से वैभवशाली मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत अद्भुत एवं समृद्ध है। यहां नैसर्गिक सुंदरता के साथ-साथ कला और संस्कृति भी बहुआयामी है।

औद्योगिक विकास का नया अध्याय

मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास का एक उभरता केंद्र बन चुका है। गांवों को शहरों से जोड़ना हो या नए उद्योग स्थापित करने हों, प्रदेश आज चौतरफा विकास की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है।

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @JansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

D-11193/25